MORPHOLOGY

FRANCIS KATAMBA

Chapter 2 - INTRODUCTION TO WORD STRUCTURE

HINDI TRANSLATION

MATERIAL PREPARED FOR NMRC, JNU & EKLAVYA,BHOPAL BILINGUAL PROJECT

BY

INDRANI ROY

January 2012

Morphology - Francis Katamba
Chapter 2 - INTRODUCTION TO WORD STRUCTURE

शब्द एवं शब्द संरचना के अध्ययन को मार्फोलॉजी कहा जाता है. कातामबा के इस अध्याय में हम देखेंगे कि शब्द किसे कहें? शब्द कैसे छोटे अंशो से बनते हैं और इन अंशों की विशेषता क्या है?

शब्द क्या है? इस सवाल का उत्तर हर कोई दे सकता है. हम सभी अपने भाषा के शब्दों को पहचान सकते हैं और ये बखूबी बता सकते हैं कि कौन सा शब्द हमारी भाषा में नहीं है.

लेक्सीम

ये वाक्य देखिये --

मैंने भुड़कियों को धो डाला

मान लीजिये कि आप *भुड़कियों* शब्द पहली बार देख रहे हैं अब आपको ये नहीं पता कि *भुड़कियों* का मतलब क्या है. आप शब्दकोश में ये शब्द ढूंढना चाहते हैं. आप क्या ढूंढेंगे? *भुड़कियों* या *भुड़की*? अगर *भुड़कियों* एक शब्द है तो आपको ये भी जानेंगे कि *भुड़कियां* भी शब्द होगा. आपको ये भी मालूम होगा की शब्दकोश में *भुड़की* शब्द ही दिया जायेगा भुड़कियों या भुड़कियां नहीं. ये दोनों शब्द *भुड़की* शब्द के रूप हैं. *भुड़की* को हम लेक्सीम कहेंगे. शब्दकोशों में शब्द के जिस रूप को हम पाते हैं उसे लेक्सीम कहा जाता है.

शब्द रूप

हम ये कह सकते हैं कि एक लेक्सीम के कई शब्द-रूप होते हैं? जा, जायें, जाओ, जाकर, गया एक ही लेक्सीम के शब्द रूप है और वो लेक्सीम है जाना. वैसे तो ये पांच अलग शब्द है पर इनका गूढ़ अर्थ एक ही है.

व्याकरणिक शब्द

शब्द का एक परिचय ये भी हो सकता है कि वो लेक्सीम के व्याकरणिक रूप को दिखाते हैं जैसे कि संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण आदि.

मैंने कल बन्दर नाच देखा

बन्दर नाच रहा है

क्या इन दोनों वाक्यों में नाच शब्द एक ही लेक्सीम के रूप है. नहीं, क्योंकी पहले वाक्य में नाच संज्ञा है और दूसरे वाक्य में क्रिया. इसलिये पहला नाच संज्ञा लेक्सीम का रूप है और दूसरा, नाच क्रिया लेक्सीम का रूप है. किसी शब्दकोश में देखकर ये बताइये कि नाच शब्द संज्ञा रूप और क्रिया रूप के लिये अलग प्रविष्टियां होंगी या एक.

मॉर्फीम

शब्द संरचना हमें ये बताता है कि शब्दों के भी अंश होते हैं. हम अक्षरों की बात नहीं कर रहे हैं. हम शब्दों के उन इकाइयों की बात कर रहें हैं जो अर्थपूर्ण होते है. इन दोनों शब्दों को देखिये -

पत्रकार और *डकार*

पत्रकार को हम दो इकाइयों में बांट सकते हैं - *पत्र* और *कार*. जहां *कार* इकाइ का अर्थ

हुआ 'किसी चीज़ की रचना करने वाला'. जैसे *गीतकार*, *चित्रकार*.

ड और *कार* को अलग तो कर सकते है परन्तु न *ड* का अलग से कोई अर्थ है न ही *कार* का.

पत्रकार में दो मार्फीम है - *पत्र* और *कार*. *डकार* में सिर्फ एक यानी पूरा शब्द ही एक मार्फीम है क्योंकि इसे छोटे अर्थपूर्ण अंशों में विभाजित नहीं किया जा सकता है. शब्द के सबसे छोटे अर्थपूर्ण इकाइ को मार्फीम कहते हैं. ध्यान दीजिये इकाइ का अर्थपूर्ण होना महत्वपूर्ण है. इन बातों को ध्यान में रखते हुये क्या आप ये बता सकते हैं कि *बेकार* शब्द में कितने मार्फीम हैं?

मार्फीमों को जोड़ कर शब्द बनाये जाते हैं, जैसे कि ईंटों को जोड़कर इमारत. कुछ शब्द एक ही मार्फीम से बन हुये होते है जैसे कि *पेड़*, और कुछ एक से ज़्यादा जैसे *प्रतिद्वंद्विता*.

शब्दों का विश्लेषण

वैसे तो मार्फीमों का विचार अर्थपूर्णता के आधार पर हमने किया लेकिन इसमें कुछ समस्यायें हैं. अंग्रेज़ी में *हेलिकॉप्टर* शब्द को लीजिये. लगता तो ये है कि इस शब्द को अर्थपूर्ण इकाइयों में विभाजित नहीं कर सकते पर असल में *प्टर* यूनानी शब्द था जिसका मतलब था 'पंख'. पर क्या आधुनिक अंग्रेज़ी भाषा में *प्टर* को मार्फीम मानेंगे? इसके अलावा कई मार्फीम है जिनके अर्थों का विश्लेषण करना आसान नहीं होता. इसलिये अर्थ के साथ-साथ मार्फीम को पहचानने के लिये भाषा-वैज्ञानिक कुछ और नियमों का भी प्रयोग करते हैं.

मार्फीम, मॉर्फ एवं ऐलोमॉर्फ

शब्दों के विश्लेषण के लिये जो मुख्य सिद्धान्त है वो है कॉनट्रास्ट यानि कि भेद (?) का. हम मार्फीम के रूप में तब फर्क करेंगे जब वह

1) सुनने में अलग हो
2)उनका अर्थ अलग हो

आदमी और *औरत* इन दो शब्दों में हम इसके आधार पर भेद कर सकते हैं, ये दोनों सुनने में अलग हैं और इनके अर्थ में भेद है तो ये दो अलग मार्फीम हुये.

मॉर्फ

शब्द के विश्लेषण करते वक्त सबसे पहले शब्द को मॉर्फ में बांटा जाता है. मॉर्फ मार्फीम का ही भौतिक (?) स्वरूप है. अक्षरों से जो बनता है वो मॉर्फ है और इसमें नीहित अर्थ मार्फीम है. कई बार दोनों एक ही होते है. जैसे *कुर्सी* या *कठिन* ये दोनों शब्द मॉर्फ भी हैं और मार्फीम भी. पर कई बार अलग होते हैं जैसे विलोम शब्द बनाने के लिये - *नि*, *निस*, *निष*, *निर*. ये सभी मार्फ एक ही मार्फीम के अलग-अलग रूप है और ये मार्फीम है 'विलोम बनाने वाला'. जैसे कि इन शब्दों में हम देख सकते हैं -- निडर, निस्संतान, निष्कपट, निराधार.

इन शब्दों को देखिए -

डर - निडर
बल - निबल
शुल्क - निशुल्क
शब्द - निशब्द

आधार - निराधार
आकार - निराकार
अपराध - निरपराध
उत्साह - निरुत्साह

ध्यान दीजिये कि जो चार शब्द व्यंजन से शुरू हो रहे हैं उनके विलोम शब्द बनाने के

लिये *नि* का प्रयोग किया गया है और जो स्वर से शुरु हो रहे हैं उनके विलोम *निर* से बनते हैं. *नि* और *निर* विलोम बनाने के मार्फीम के दो मार्फ हैं. क्योंकि उच्चारण के दृष्टि से स्वर-स्वर का उच्चारण करना मुश्किल है इसलिये स्वर से शुरू होने वाले शब्दों के *निर* का प्रयोग किया जाता है. इसलिये हम ये कह सकते है कि *नि* और *निर* ऐलोमॉर्फ हैं.

वैसे तो ऐलोमॉर्फ हमें तब देखने को मिलते है जब किसी मार्फ के पहले या बाद में आने वाले ध्वनियों के कारण उस मार्फ के रूप में बदलाव होता है जैसा कि ऊपर दिये गये उदाहरण में होता है. इसे हम phonological conditioning कहते हैं. पर कई बार किसी मॉर्फीम के मार्फ के रूप में बदलाव व्याकरणिक कारणों से भी होता है. जैसा कि अंग्रज़ी में वैसे तो शब्दों के भूतकाल बनाने के लिये ed मार्फ लगाया जाता है, पर sleep, weep इन शब्दों के भूतकाल slept, wept है. यहां पर भूतकाल का ऐलोमॉर्फ व्याकरिणक कारणों से है, ध्वन्यात्मक कारणों से नहीं. इसे grammatical conditioning कहा जाता है. इसी तरह अंग्रेज़ी में केवल ox के बहुवचन के लिये en ऐलोमॉर्फ का उपयोग किया जाता है जैसे कि oxen इस तरह के ऐलोमॉर्फ को lexically conditioned ऐलोमॉर्फ कहते हैं ये ऐलोमॉर्फ विशेष शब्दों के होने पर ही मिलते हैं.

जब किसी मॉर्फीम के ऐलोमॉर्फ उससे ध्वन्यात्मक रूप में बिल्कुल ही मेल न रखते हो तो इसको suppletion कहा जाता है.

हमने पहले देखा कि कैसे *नि* और *निर* मॉर्फ का होना आने वाले ध्वनियों पर निर्भर होता है. इसी तरह कि स्थिति *निस* और *निष* के साथ भी है. इन शब्दों को देखिये --

संतान - निस्संतान
स्वार्थ - निस्वार्थ
कलंक - निष्कलंक
फल - निष्फल

इन शब्दों में भी विलोम के दो ऐलोमॉर्फ हमें दिखते हैं - *निस* और *निष*. इस तरह के स्थिति में भाषा-वैज्ञानिकों का यह मानना है कि अलग-अलग ऐलोमॉर्फ के base form या underlying representation होते है और इस base form से बाकी forms बनते हैं.

Portmanteau morph

ऐसे मार्फ जो एक से ज़्यादा व्याकरणिक कार्य करते हैं , जैसे--

जायेगी

मार्फ - *जाना*

मार्फ - *एगी (स्त्रीलिंग, एकवचन, द्वितीय पुरुष,भविष्यकाल,)*

एगी Portmanteau morph *है.*

Zero Allomorph

ऐसे मार्फ जिनका भौतिक स्वरूप न हो.

Empty Morph

Zero allomorph के विपरीत किसी शब्द के विभाजन पर जब कुछ ऐसे मॉर्फ बने जिनका अर्थ न बनता हो तो उन्हें Empty Morph कहेंगे.

****

अभ्यास के लिये

1) *उबाला, दिया, ग्वालिन, देना, कोना, नचवा, ग्वाला, उबालेगा, पहाड़, नचवायेगा, औरतें, पहाड़ी, पहाड़ा, औरतों, देगा, कोने, नचवाया, कोनों*, - इन शब्दों को इनके लेक्सीम के अनुसार अलग कीजिये.

2) *आबदाना, आबहवा, आबद्ध, आबकारी* -- इन शब्दों में मार्फीम अलग कीजिये और इनका मतलब बताइए.

3) इन वाक्यों में मार्फों की सूची बनाइये --
उन्होनें चाबी से ताला खोला
वे ताला खोलेंगे
मैंने चाबियां खो दी
सीता ने कल ताला खोला था
मैं चाबियां मिलने पर ताला खोलूंगी
उसने अभी ताला खोला है

4)
उसने मारा
उसने खाया
उसने गाया
उसने खोला
उसने भरा
उसने किया
ऊपर दिये गये वाक्यों में क्रिया को देखिये. इनके मॉर्फ अलग कीजिये और, ये बताइए कि ध्वनि के कारण मार्फों में क्या परिवर्तन हो रहे हैं. इस तरह के मार्फों को हम क्या कहेंगे?

******